भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 25–09–2020

कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ का लोकार्पण एवं कृषि विज्ञान केन्द सम्भल, बुलन्दशहर एवं मुरादाबाद–II का शिलान्यास व लोकार्पण समारोह

उत्तर प्रदेश के सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण एवं कृषि विज्ञान केन्द्र सम्भल, बुलन्दशहर, मुरादाबाद–II के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया। इसकी जानकारी अटारी कानपुर के निदेशक डा. अतर सिंह द्वारा दी गई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की कृषि मंत्री माननीय सूर्यप्रताप शाही जी, कृषि राज्य मंत्री माननीय लाखन सिंह राजपूत, अपर मुख्य सचिव कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान उत्तर प्रदेश डा. देवेश चतुर्वेदी, डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, डा. आर.के. मित्तल, कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय मेरठ एवं निदेशक प्रसार सहित प्रदेश के अन्य कई वैज्ञानिकगण उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर सभी को बधाई दी और कहा कि जब उन्होंने 2017 में प्रदेश की बागडोर सम्भाली थी तो कृषि विज्ञान केन्द्र बदहाल स्थिति में थे, उसके बाद सरकार के निरन्तर प्रयासों से काफी सुधार आया है। देश एवं प्रदेश की सरकार के माध्यम से 20 नये कृषि विज्ञान केन्द्र स्वीकृत करवाये जा चुके हैं। पदेश की सरकार ने कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थिति बदल कर उन्हें सक्षम बनाया, तकनीक व उच्च गुणवत्ता के बीजों के साथ जोड़ा है, जिसके बेहतर परिणाम हमारे सामने हैं। 4 नये कृषि विज्ञान केन्द्र इसी श्रंखला में हापुड़ में प्रशासनिक भवन का लोकार्पण एवं सम्भल, बुलन्दशहर मुरादाबाद में शिलान्यास किया जा रहा है। प्रदेश का किसान प्रगतिशील किसान है, उसे नये तौर तरीके कौन बताएगा यह हमारे लिये चुनौती है। कृषि विज्ञान केन्द्रों ने उन्नत किस्म के बीजों को किसानों तक उपलब्ध

कराने में काफी मदद की है। प्रधानमंत्री का लक्ष्य है कि 2022 तक किसानों की आय को दोगुनी किया जाए। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले यह सुनिश्चित करना भी हमारा दायित्व है। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि मिले, इसके साथ ही उनकी फसलें कर मुक्त करने की कार्यवाही हो। अब किसान 1 राष्ट्र 1 बाजार के नये युग की ओर जा रहा है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी मिलेगी, स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इन बदलावों को हमें खुले मन–मस्तिष्क से स्वीकार करना होगा। किसान भी तकनीक को अपनानें में पीछे न रहें। फसलों के विविधिकरण की ओर जायें। इस दिशा में प्रदश के 4 कृषि विश्व विद्यालय व उनसे जुड़े कृषि विज्ञान केन्द्र बेहतर प्रयास कर सकेंगे ऐसी उम्मीद है। कोरोना के कारण हुए लाकडाउन के बावजूद प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, रिकार्ड गन्ना मूल्य का भुगतान हुआ है। भारत सरकार द्वारा लाया गया कृषि बिल किसानों के हित में है। सरकार किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य जरूर देगी। हापुड़ केवीके के प्रशासनिक भवन के उद्घाटन व सम्भल, बुलन्दशहर, मुरादाबाद–II केवीके के प्रशासनिक भवन के शिलान्यास के लिये बहुत–बहुत बधाई।

माननीय कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश ने 4 कृषि विज्ञान केन्द्रों के उद्घाटन एवं शिलान्यास अवसर पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी जी ने सतत परिवर्तन करके नये आयाम दिये हैं। सकारात्मक बदलाव दिख रहे हैं। प. दीन दयाल बाजार का एकाधिकार सुधार होना चाहिए। किसानों क बल पर देश आत्मनिर्भर हुआ है। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से बेहतर बीज उपलब्ध हो रहे हैं व अनेक प्रोजेक्ट किसानों, गाँवों तक पहुँच रहे हैं। इसके लिये प्रदेश सरकार पूरा सहयोग दे रही है। मधुमक्खी पालन के माध्यम से भी आत्मनिर्भर बनाने में गति दी गई है। गाँवों के किसानों एवं मजदूरों के कौशल विकास को भी प्रशिक्षण प्रदान कर बढ़ाया जा रहा है।

अन्त में भाकृअनुप के उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) डा. ए.के. सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, कृषि राज्यमंत्री एवं कार्यक्रम में उपस्थित अन्य सभी अतिथिगणों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ATARI
INTEX

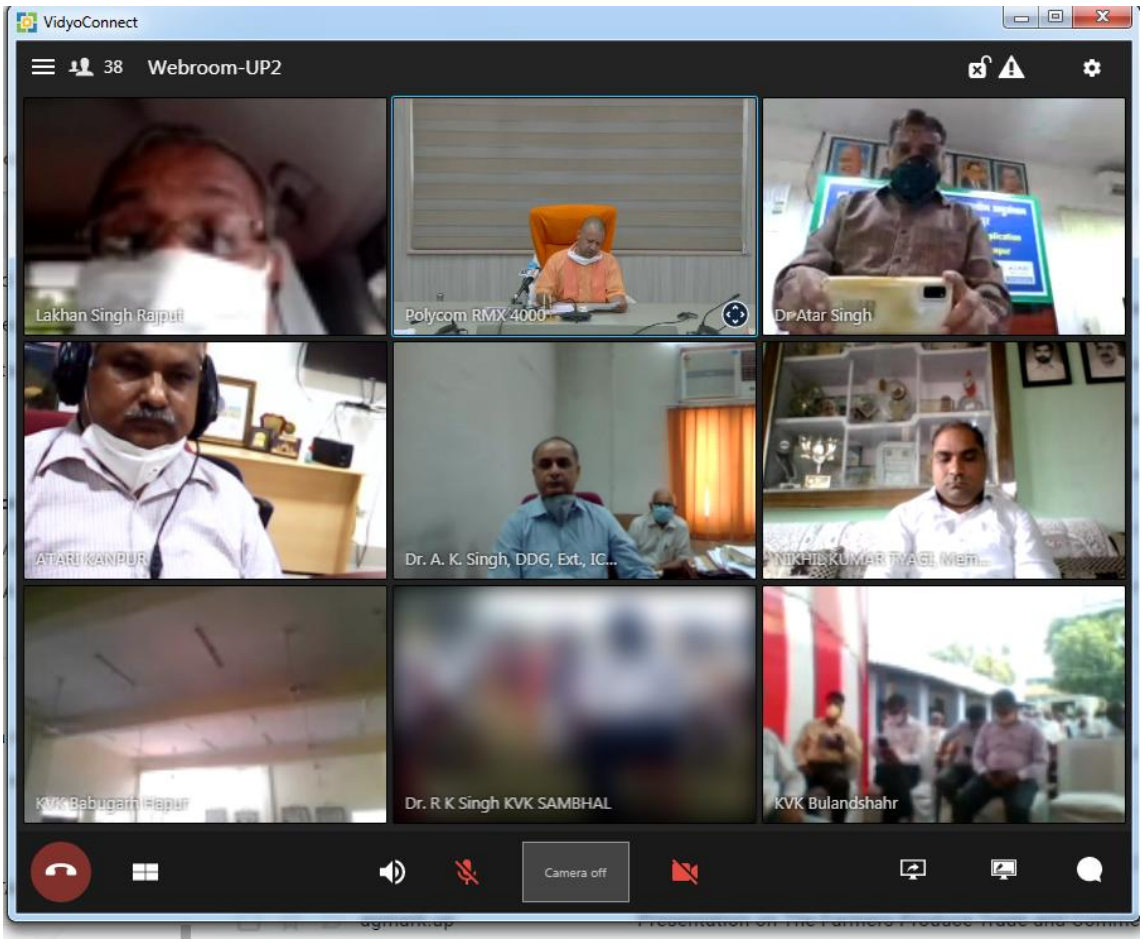
VidyoConnect
38
Webroom-UP2
Lakhan Singh Rajput
Polycom RMX 4000
Dr Atar Singh
ATARI KANPUR
Dr. A. K. Singh, DDG, Ext., IC...
NIKHIL KUMAR TYAGI, Mem...
KVK Babugarh Hapur
Dr. R K Singh KVK SAMBHAL
KVK Bulandshahr
Camera off